मुद्रा और साख Important Questions Class 10 Social Science (Economics) Chapter 3 in Hindi

3/5 अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 1 रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, क्या-क्या कार्य करता है ?

उत्तर:

- सरकार की ओर से मुद्रा जारी करता है।
- बैंको व समितियों की कार्य प्रणाली पर नज़र रखता है।
- ब्याज की दरों व ऋण की शर्तों पर निगरानी रखता है।
- बैंक कितना नकद शेष अपने पास रखे हुए हैं इसकी सूचना रखता है।
- ऋण किस प्रकार वितरित किये जा रहे हैं इस पर नज़र रखता है।

प्रश्न 2 समर्थक ऋणाधार क्या है ? उदाहरण सहित बताओ।

उत्तर: उधार दाता, उधार प्राप्तकर्ता से समर्थक ऋणाधार के रूप में ऐसी परिसम्पतियों की माँग करता है जिन्हें बेचकर वह अपनी ऋण राशि की वसूली कर सके। ये परिसम्पत्तियाँ ही समर्थक ऋणाधार कहलाती हैं। उदाहरण :- कृषि भूमि, जेवर, मकान, पशुधन, बैंक जमा आदि।

प्रश्न 3 साख के औपचारिक व अनौपचारिक क्षेत्र की विशेषताएँ बताइये।

उत्तर:

साख के औपचारिक क्षेत्र

- बैंक, सहकारी समितियों
- पूर्व निश्चित ब्याज दर
- उधार लेने वाले का शोषण
- ऋण वापसी के लिए अनावश्यक दबाब नहीं।

अनौपचारिक क्षेत्र

- महाजन, साहूकार, रिश्तेदार अनिश्चित व अधिक ब्याज दर
- उधार लेने वाले का शोषण होता है।
- कर्ज-जाल में फंसने की संभावना।

प्रश्न 4 क्या कारण है कि कुछ व्यक्तियों या समूहों को बैंक कर्ज देने को तैयार नहीं होते?

उत्तर:

- ग्रामीण क्षेत्रों में बैंको की अनुपस्थिति।
- समर्थक ऋणाधार न होना।
- जरूरी कागजात न होना।
- ऋण की शर्तें पूरी न कर पाना।

प्रश्न 5 वस्तु विनिमय प्रणाली की कोई तीन सीमाएँ बताइये?

उत्तर:

- वस्तु विनिमय के लिए दोहरे संयोग की शर्त का पूरा होना आवश्यक।
- धन या मूल्य के संचयन में कठिनाई।
- अविभाज्य वस्तुओं का विनिमय कठिन।
- वस्तुओं को भविष्य में प्रयोग के लिए (संग्रहित करना लम्बे समय तक) कठिन।
- सेवाओं का मूल्य निर्धारण व विनिमय में कठिनाई।

प्रश्न 6 क्या सलीम व स्वप्ना दोनों के लिए ऋण एक सी परिस्थिति उत्पन्न करता है ? व्याख्या करें।

उत्तर:

- सलीम के लिए ऋण ने सकारात्मक भूमिका निभाई।
- उसने लाभ भी कमाया व ऋण भी चुकाया।
- स्वप्ना के लिए ऋण की नकारात्मक भूमिका थी।
- वह ऋण चुकाने व लाभ कमाने में असमर्थ थी।
- वह ऋण-जाल में फंस गई, उसे जमीन बेचनी पड़ी।

प्रश्न 7 कर्ज-जाल कब उत्पन्न होता है ? उदाहरण देकर बताइए।

उत्तर:

- जब कर्जदार अपना पिछला ऋण चुकाने में असमर्थ होता है।
- पुराने कर्ज को चुकाने के लिए नया कर्ज ले लेता है।
- उसे ऋण अदायगी के लिए अपनी परिसम्पत्ति बेचनी पड़ जाती है।
- उसकी आर्थिक स्थिति बद से बदतर हो जाती है।

प्रश्न 8 ऋण की शर्तें किन्हे कहा जाता है ? यह किस प्रकार भिन्न हो सकती हैं ?

उत्तर: ब्याज दर, समर्थक ऋणाधार, आवश्यक कागजात और भुगतान के तरीकों को सम्मिलित रूप से “ऋण की शर्तें कहा जाता है। ऋण की शर्तें विभिन्न व्यक्तियों या समूहों के लिए अलग अलग हो सकती हैं।

प्रश्न 9 गरीबों के लिए स्वयं सहायता समूह संगठनों के पीछे मूल विचार क्या है ?

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर:

- गरीबों को संगठित रूप में कार्य के लिए प्रेरित करना।
- स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना।
- शोषण से बचाना।
- कर्जदारों को ऋण-जाल से बचाना।
- स्वावलंवन व रोजगार

प्रश्न 10 भारत में औपचारिक ऋण क्षेत्रक को विस्तृत करना क्यों आवश्यक है ?

उत्तर:

- अनौपचारिक स्रोतों से ऋण प्राप्ति आसान होती है परन्तु शोषण अधिक होता है।
- ब्याज की दरें अनिश्चित व उच्च होती हैं।
- गरीब, अशिक्षित लोग आसानी से ऋण जाल में फंस जाते हैं।
- ग्रामीण क्षेत्रों में साहूकारों पर निर्भरता
- ऋण सरलता से उपलब्ध करवाना।